

न्यायालय सहायक कलेक्टर प्रो.श्री०/परगनाधिकारी, बाजपुर जिला उधम सिंह नगर।
राजपथ वाद सं० 22/42 वर्ष 2010-11 द्वारा 143 ज० वि० एच भू० सु० अधिनियम

प्राथी- श्री०डी०जी० कालेज आफ एजुकेशनल विद्यपुरी बाजपुर तहसील बाजपुर
जिला उधम सिंह नगर।

विपक्षी- धनाम
उत्तराखण्ड सरकार।

24-12-2010

आज पत्रावली पेश। पुकारने पर प्राथी पक्ष की ओर से गौरव रस्तोगी चयनमेव एवं विपक्षी सरकार के विद्वान अधिवक्ता हाजिर। नियत तिथी को समय पक्षों की मौखिक बहस सुनी तथा पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्रस्तुत वाद प्राथी के प्रार्थना-पत्र दि० 07-12-10 पर प्राप्त चकबन्दी अधिकारी/तहसीलदार, बाजपुर की आख्या कमरा दि० 14-12-10 व 23-12-10 पर संस्थित हुआ। प्राथी ने अपने प्रार्थना-पत्र में कथन किया है कि उनके नाम ग्राम विद्यपुरी तहसील बाजपुर के खसरा नं० 6/8 में 0 रकबा 0-405 हे० लगानी नं० 10-90 भूमि संक्रमणीय भूमिधर में दर्ज है। उपरोक्त आराजी पर खेती, कुक्कुट पालन एवं मत्स्य पालन का कार्य नहीं हो रहा है। प्राथी उपरोक्त आराजी को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु अकृषिक करामा चाहता है। इसलिए इस भूमि को अकृषिक घोषित कर दिया जाय। प्राथी ने अपने कथन की बात में प्रस्तुत अभिलेखीय साक्ष्य खतोनी ग्राम विद्यपुरी तहसील बाजपुर 1398 फ० से 1403 फ० के खसरा नं० 17 में उपरोक्त आराजी प्राथी के नाम संक्रमणीय भूमिधर में दर्ज अभिलेख है। प्रश्नगत मामले में तहसीलदार बाजपुर से वींचित आख्या प्राप्त की गई। तहसीलदार बाजपुर की आख्या दिनांक 23-12-10 नय 20का० की आख्या के साथ एवं चकबन्दी अधिकारी बाजपुर की आख्या दि० 14-12-10 सहायक चकबन्दी अधिकारी बाजपुर की आख्या के साथ नय ट्रेसिंग नकशे के साथ प्राप्त हुई। प्राप्त आख्याओं के अनुसार उपरोक्त आराजी पर खेती, कुक्कुट पालन एवं मत्स्य पालन का कार्य नहीं हो रहा है। उपरोक्त आराजी परती पड़ी है और सीलिंग से प्रभावित नहीं है। ट्रेसिंग नकशे में प्रश्नगत भूमि को लाल लाइन से प्रदर्शित किया गया है।

प्राथी ने अपनी मौखिक बहस में कहा कि उपरोक्त आराजी पर खेती का कार्य मत्स्य पालन एवं कुक्कुट पालन का कार्य नहीं हो रहा है। उपरोक्त आराजी परती पड़ी है तथा भूमि अकृषिक है। इसलिए उपरोक्त भूमि को अकृषिक घोषित कर दिया जाय।

विपक्षी के विद्वान अधिवक्ता ने अपनी मौखिक बहस में यही कहा कि तहसीलदार बाजपुर की आख्या अनुसार उपरोक्त आराजी पर खेती, कुक्कुट पालन एवं मत्स्य पालन का कार्य नहीं हो रहा है। उपरोक्त भूमि परती पड़ी है तथा भूमि अकृषिक होना तर्दीक हुआ है। इसलिए सदनुसार कार्यवाही की जाय।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि उपरोक्त आराजी में खेती, कुक्कुट पालन एवं मत्स्य पालन का कार्य नहीं हो रहा है। उपरोक्त आराजी पर खेती, कुक्कुट पालन एवं मत्स्य पालन का कार्य नहीं हो रहा है। भूमि परती पड़ी है तथा भूमि अकृषिक है और आख्या से प्रभावित नहीं है। जिसकी पुष्टि 20का० एवं चकबन्दी अधिकारी बाजपुर की आख्याओं से होती है। इस प्रकार भूमि को अकृषिक होने के कारण उपरोक्त भूमि को अकृषिक घोषित किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

आदेश

उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्राथी की प्रार्थना-पत्र दि० 07-12-10 एवं चकबन्दी अधिकारी बाजपुर की आख्या दिनांक 14-12-10 का स्वीकार किया जाता है और ग्राम विद्यपुरी तहसील बाजपुर के खसरा नं० 6/8 में 0 रकबा 0-405 हे० लगानी नं० 10-90 भूमि नय ज० वि० एच भू० सु० अधिनियम की धारा 143 के तहत अकृषिक घोषित कर लगान से मुक्त किया जाता है। इसी अनुसार घोषणा पत्र एवं परवाना अमलदरामद जारी किया जाय। पत्रावली वाद आ० का० माल अभिलेखागार को संवित है।

(फिचारा म चौहान)

सहायक कलेक्टर प्रो. श्री०/परगनाधिकारी
बाजपुर जिला उधम सिंह नगर

Photo Copy Attested
Shivraj Singh Rana
Advocate

Notary Public Gadarpur/Bazpur
(U.S.N.) Uttarakhand (India)



Chairman
P. D. G. College of Education
Bichhri, Bazpur (U.S. Nagar) UK